Social Development
for Communities
FOUNDATION

October 2023
Uttarakhand Disaster & Accident Synopsis (UDAS)
Monthly Reports

Social Development for Communities (SDC) Foundation
Dehradun, Uttarakhand
www.sdcuk.in
contactsdcuk@gmail.com

About UDAS Monthly Reports

Uttarakhand Disaster & Accident Synopsis (UDAS) is a monthly initiative by Dehradun-based environmental action and advocacy group, Social Development for Communities (SDC) Foundation. The goal of the UDAS reports is to document disasters and accidents in Uttarakhand, leading to human and ecological casualties. UDAS is based on media reports in respectable publications in English and Hindi newspapers, as well as news portals. UDAS neither attempts nor claims to document all disasters and all accidents in Uttarakhand; its focus instead is to document major casualties and non-casualty events on a regular basis.

We strongly believe that with the perils of inclement climate and unabated disasters, the ecologically fragile and earthquake-prone state of Uttarakhand needs to take many more steps to increase its disaster preparedness. We, therefore, see UDAS as a document that highlights attention towards the urgent need of a holistic disaster management and accident minimization policy framework in Uttarakhand.

It is our earnest hope that UDAS will spur political leadership, policy makers, bureaucracy, research and academic institutions, businesses, civil society organisations, media and the citizenry at large to initiate inclusive, regular and action-oriented conversations on the subjects of resilience, mitigation and adaptation in Uttarakhand. With mainstreaming and a greater focus on the issue, there is likely to be an improvement in the process of planning of climate actions and disaster management in Uttarakhand.

1. October 2023 : Joshimath “sinking” update

The state government will make efforts to know the thoughts of the affected people before their displacement from the disaster affected area of Joshimath and will take action accordingly. The nature of the process of displacement and rehabilitation would be decided according to the demand and convenience of the disaster affected people. Three options are available for rehabilitation.

The first option is where people can take full compensation for the property of the affected area. The second option relates to constructing a house at safe locations that are decided by the government. In the third option, the government would construct and hand over its houses itself.

जोशीमठ: प्रभावितों की राय से ही विस्थापन-पुनर्वास

विस्थापन के लिए सरकार के पास तीन विकल्प

HINDUSTAN
OCTOBER 10, 2023

A hearing was held in the National Disaster Management Authority (NDM) on October 23, 2023 on the orders of the Uttarakhand High Court regarding Joshimath. During the hearing, PC Tiwari and his advocates Abhijay Negi and Snigdha Tiwari presented their side.

The parties said that if any kind of damages occur in future due to further construction, then accountability should be fixed with criminal or civil cases getting initiated against the institutions on whose reports construction is allowed. NTPC and Ranjit Sinha, Secretary in the Disaster Management Department in Uttarakhand also participated in the hearing.

हिन्दुस्तान । www.livehindustan.com

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण में जोशीमठ क्षेत्र को लेकर हुई सुनवाई

जोशीमठ में निर्माण होता है तो जवाबदेही भी तय हो : पक्षकार

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। बहुचर्चित जोशीमठ क्षेत्र को लेकर नैनीताल उत्तराखंड हाईकोर्ट के आदेश पर राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एनडीएमए में सोमवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान पक्षकार पी. सी. तिवारी एवं उनके अधिवक्ता अभिजय नेगी एवं स्निग्धा तिवारी ने अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में किसी संस्था की रिपोर्ट को आधार बनाकर अगर निर्माण की अनुमति दी जाती है तो इसकी जवाबदेही भी तय होना चाहिए।

पक्षकारों ने कहा कि अगर किसी तरह का नुकसान भविष्य में होता है तो संबंधित लोगों पर क्रिमिनल या सिविल मामला चलना चाहिए। एनडीएमए ने एनटीपीसी सहित अन्य पक्षों की बात भी सुनी। नैनीताल हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश विपीन सांघवी एवं न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खंडपीठ ने गत 25 सितंबर को उपपा के पी. सी. तिवारी की जनहित याचिका में याची को एनडीएमए में सुनवाई का आदेश दिया था जिसके अनुपालन में यह सुनवाई आयोजित की गई थी। सुनवाई में याची के अलावा उत्तराखंड सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव डॉ. रंजीत सिन्हा एवं तपोवन विष्णुगाड़ परियोजना का निर्माण कर रही नेशनल थर्मल पॉवर कॉर्पोरेशन को अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया गया था।

25 सितंबर को याचिका पर सुनवाई का हाईकोर्ट ने दिया था आदेश

पक्षकार बोले, भविष्य में नुकसान होने पर केस चलना चाहिए

गौरतलब है कि फरवरी 2021 को रैणी एवं तपोवन विष्णुगाड़ परियोजना क्षेत्र में हुई तबाही जिसमें 204 लोगों की ,एनटीपीसी के टनल में मृत्यु हो गई थी। इसके बाद दायर इस जनहित याचिका में गत दिसंबर-जनवरी से जोशीमठ क्षेत्र में भू धसाव को लेकर भी विचार हो रहा है।

एनटीपीसी ने न्यायालय [illegible] परियोजना क्षेत्र में निर्माण और विस्फो[illegible] की अनुमति की मांग की है जिसके आधार पर यह कार्यवाही चल रही है। इस बीच याची की ओर से अधिवक्[illegible] स्निग्धा तिवारी एवं अधिवक्[illegible] अभिजय नेगी ने विस्तृत प्रत्यावेद[illegible] एनटीपीसी को भेजा। प्रत्यावेदन [illegible] मुख्य रूप से कहा गया कि हिमालय[illegible] क्षेत्र में परियोजनाओं के निर्माण [illegible] विस्फोट की अनुमति देने वा[illegible] संस्थाओं को परियोजना क्षेत्र में हो[illegible] वाली किसी भी दुर्घटनाओं [illegible] आपराधिक एवं सिविल जिम्मेदारी ले[illegible] की व्यवस्था की जानी चाहिए।

HINDUSTAN
OCTOBER 24, 2023

2. October 3, 2023 : Earthquake in Nepal, tremors across Uttarakhand

The tremors of the Nepal earthquake on October 3, 2023 were felt in many cities of Uttarakhand. According to the Wadia Himalayan Institute of Geology, Uttarakhand needs to be alert from earthquakes. The first tremor of the earthquake was felt at 2.25 pm while the second one was felt at 2.51 pm. There were 8 earthquakes in the month of September and 11 in the month of August in Uttarakhand

अमर उजाला | प्रदेश | amarujala.com

हर बार भूकंप दे रहा चेतावनी के झटके

वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान ने चेताया, लगातार कम तीव्रता के भूकंपों से टल रहा बड़ा खतरा

अश्वनी त्रिपाठी

देहरादून। नेपाल में आए भूकंप के झटके उत्तराखंड के कई शहरों में महसूस किए गए। वाडिया हिमालय भू-विज्ञान संस्थान के अनुसार, भूकंप से उत्तराखंड को सतर्क रहने की जरूरत है, हालांकि यह झटके चेतावनी हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि धरती के नीचे इंडियन और यूरेशियन प्लेट के आपस में टकराने से काफी ऊर्जा संग्रहित है। छोटे भूकंप आने से इस ऊर्जा का ह्रास हो जाता है और बड़े भूकंप का खतरा टल जाता है।

नेपाल में आए भूकंप के उत्तराखंड पर प्रभाव को लेकर वाडिया इंस्टीट्यूट के निदेशक कालाचंद सेन बताते हैं कि वर्ष 2022 और 2023 में अब तक तीन बार 6 मैग्नीट्यूड के आसपास का भूकंप आ चुका है। इस तीव्रता के भूकंप को धरती के नीचे चल रही हलचल के लिहाज से सकारात्मक तौर पर देखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि इंडियन और यूरेशियन प्लेट के टकराने के प्रभावों का जीपीएस के माध्यम से अध्ययन किया गया। इसमें पाया गया कि धरती के नीचे बड़ी मात्रा में एनर्जी स्टोर हो गई है। इस एनर्जी का धीरे-धीरे निकलना आवश्यक है, अन्यथा यह बड़े भूकंप का खतरा पैदा कर देगी।

उन्होंने कहा कि प्लेटों के आपस में टकराने से धरती के नीचे फ्रैक्चर हो गए हैं। उत्तराखंड के कई जिले लॉक जोन में हैं। जिससे यहां पर एनर्जी बाहर नहीं निकल पा रही है। कम तीव्रता के भूकंप से एनर्जी स्टोरेज कम होगा, तो बड़े भूकंप का खतरा टल जाएगा। चेताते हुए कहा कि बार-बार इस तरह भूकंप के आने से किसी बड़े भूकंप का खतरा भी बना हुआ है, लेकिन यह कब आएगा, इसे कहा नहीं जा सकता।

2 बजकर 25 मिनट पर लगा पहला झटका

नेपाल में भूकंप के चार झटके लगे तो देहरादून स्थित हिमालय भू विज्ञान संस्थान ने भूकंप की रीयल टाइम मॉनीटरिंग शुरू कर दी। कंट्रोल रूम ने बताया कि उत्तराखंड में सिर्फ दो ही झटकों का कंपन महसूस किया गया। पहला झटका 2 बजकर 25 मिनट पर महसूस किया गया, इसकी तीव्रता भूकंप के केंद्र में 4.9 मैग्नीट्यूड दर्ज की गई। वहीं दूसरा झटका 2 बजकर 51 मिनट पर महसूस हुआ। इसकी तीव्रता केंद्र में 5.7 मैग्नीट्यूड दर्ज की गई है। राज्य में इसकी तीव्रता को दर्ज नहीं किया जा सका।

दून क्षेत्र में सक्रिय हैं भूकंपीय फॉल्ट

देहरादून भी भूकंप के लिहाज से बेहद संवेदनशील है। यहां पहले ही भूकंपीय फॉल्ट सक्रिय स्थिति में पाए जा चुके हैं। इससे भूगर्भ में ऊर्जा संचित होती है। यह कितनी मात्रा में है इसका अंदाजा वैज्ञानिक भी नहीं लगा सकते। यह ऊर्जा संचय होने के बाद ही भूकंप के रूप में बाहर आती है। यह कब बाहर आएगी इसका जवाब दे पाना संभव नहीं। संस्थान ने पिछले दिनों फॉल्ट की सक्रियता का अध्ययन किया था।

नेपाल में भारत के बनाए स्कूल-अस्पताल सुरक्षित

रुड़की। भूकंप का केंद्र नजदीक होने के बावजूद हाल ही में केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआई) रुड़की की ओर से नेपाल में बनाए गए 71 स्कूल और 132 अस्पतालों के भूकंपरोधी भवन पूरी तरह सुरक्षित रहे। नेपाल में 2015 में आई भूकंप त्रासदी में बड़ी संख्या में लोगों की जानें गई थी और हजारों भवन ढह गए थे। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल में "रिकंस्ट्रक्शन ऑफ सेस्मिक डिजास्टर रेजीलिएंस हेल्थ बिल्डिंग इन नेपाल" प्रोजेक्ट शुरू कराया था। इसको अगस्त 2020 में सीबीआरआई रुड़की को सौंपा गया था। वैज्ञानिक डॉ. अजय चौरसिया की अगुवाई में एसके नेगी एवं डॉ. सुधीर सिंह समेत 22 वैज्ञानिकों की टीम ने नेपाल चीन सीमा के नजदीक रिमोट एरिया में 71 स्कूल, 132 अस्पताल और नेपाल की सबसे बड़ी लाइब्रेरी का निर्माण कराया था। डॉ. चौरसिया ने बताया कि मंगलवार को फिर भूकंप आने पर वहां मौजूद इंजीनियरों की टीम से संपर्क कर बिल्डिंग की जांच कराई गई। जिसमें किसी में कोई दरार नहीं मिली। संवाद

भूकंप का एक मैग्निट्यूड बढ़ने पर निकलती है 30 गुना अधिक ऊर्जा

संवाद न्यूज एजेंसी

रुड़की। वैज्ञानिकों की मानें तो जिस तरह से कम तीव्रता के भूकंप समय-समय पर आ रहे हैं। उससे इस बात की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है कि जल्द ही किसी बड़े भूकंप का सामना करना पड़ सकता है। बड़ा भूकंप यानी छह से अधिक मैग्निट्यूड के भूकंप से पांच मैग्निट्यूड के भूकंप से 30 गुना ज्यादा एनर्जी रिलीज होगी। जो खासतौर से बिना इंजीनियरिंग के बने भवनों के लिए खतरनाक होगा।

आईआईटी रुड़की के वैज्ञानिकों के अनुसार छोटे भूकंप से निकलने वाली एनर्जी के कारण बड़े भूकंपों की आशंका खारिज नहीं की जा सकती। क्योंकि पांच से कम मैग्निट्यूड के भूकंप में जमीन के भीतर जमा एनर्जी उतनी अधिक मात्रा में नहीं निकल पाती है। जैसे-जैसे भूकंप का एक मैग्निट्यूड बढ़ता है वैसे-वैसे प्रत्येक बढ़ते हुए मैग्निट्यूड के साथ भीतर से बाहर आने वाली एनर्जी की मात्रा तीस गुना बढ़ती जाती है।

ऐसे में पांच मैग्निट्यूड के भूकंप से जितनी एनर्जी निकलती है, उसकी तीस गुना ज्यादा छह मैग्निट्यूड से निकलती है, जबकि 900 गुना ज्यादा एनर्जी सात मैग्निट्यूड के भूकंप से रिलीज होगी। ऐसे में भूकंप का मैग्निट्यूड बढ़ने से नुकसान की आशंका भी उतनी ही बढ़ेगी। आईआईटी के भूकंप वैज्ञानिक प्रो. योगेंद्र सिंह के अनुसार 6 से अधिक मैग्निट्यूड के भूकंप से जानमाल का नुकसान होता है। साल भर में 5 से कम तीव्रता के भूकंपों की संख्या सैकड़ों में है।

वैज्ञानिकों के अनुसार 6 मैग्निट्यूड के एक भूकंप से जितनी एनर्जी निकलती है, वह 5 मैग्निट्यूड के 30 भूकंपों से निकलने वाली एनर्जी के बराबर होती है। वहीं सीबीआरआई रुड़की के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. अजय चौरसिया का कहना है कि छोटे भूकंप के बाद भी बड़े भूकंप का खतरा टलता नहीं है। इसलिए आने वाले दिनों में भी सावधान रहने की आवश्यकता है।

2000 के बाद से उत्तराखंड में छह तीव्रता से बड़ा भूकंप नहीं आना खतरे का संकेत

AMAR UJALA
OCTOBER 4, 2023

3. October 7, 2023 : 14 dead in two road accidents

Around nine people were feared to have been killed after boulders and debris fell on a Sports Utility Vehicle (SUV) at Lamari on Dharchula-Lipulekh road near the India-Nepal border in Uttarakhand's Pithoragarh district on October 7, 2023 afternoon.

"The vehicle, belonging to Harish Singh Nabiyal, a homestay owner, was carrying six passengers. It was travelling from Nabi village to Dharchula. On the way, it is believed to have picked up a few more passengers. " Bhupendra Singh Mahar, district disaster management officer, Pithoragarh, said.

The accident site is located in a remote region where there are no mobile signals, which was posing a challenge for communication and rescue efforts. More than 50 people have died in incidents of landslides and boulder falls this year in Uttarakhand. Of these, over 10 deaths have been due to rockfall incidents, data collated by TOI till August, has revealed.

In another road accident, at least seven passengers, including five women and a minor, were killed and several were left injured after a bus carrying them fell into a gorge in the Kaladhungi area of Uttarakhand's Nainital district on the night of October 7, 2023

According to primary information, the bus was carrying tourists from Haryana's Hisar district who were returning from Nainital. Teams of the local police and State Disaster Response Force (SDRF) reached the spot and began rescue as well as relief operations.

"Today we were informed by the Disaster Control Room, Nainital that a bus carrying 33 people, crashed into a ditch on Kaladhungi Road. On the above information, SDRF rescue teams from Post Rudrapur, Nainital and Khairna immediately left for the spot for rescue," said SDRF in a statement.

"After reaching the spot, it was found that there were 33 people in the said bus who had come from Hisar, Haryana to visit Nainital. The SDRF rescue team reached the spot and conducted a joint rescue operation with other rescue units and local police. Total 18 people on board the bus were injured and taken to the hospital for treatment. The SDRF rescue team is doing rescue work on the spot," it added.

दो हादसों में 14 लोगों की मौत

पिथौरागढ़ : धारचूला-लिपुलेख मार्ग पर चलते वाहन पर गिर गई चट्टान, सात लोगों की मौत

संवाद न्यूज एजेंसी

धारचूला (पिथौरागढ़)। धारचूला-लिपुलेख सड़क पर थक्ती झरने के पास चट्टान खिसकने से बोलेरो वाहन दब गया। हादसे में सात की मौत हो गई।सात घंटे तक बचाव अभियान चलाने के बावजूद चट्टानों के नीचे दबे वाहन और लोगों का पता नहीं चल सका है। अंधेरा होने से अभियान बंद कर दिया गया। हादसे के बाद दोनों ओर कई वाहन फंसे हैं।

हादसा धारचूला से 55 किमी दूर मालपा और पेलसिती झरने के बीच स्थित थक्ती झरने के पास रविवार दोपहर करीब डेढ़ बजे हुआ जो वाहन चट्टान में दबा वह नाबि गांव से धारचूला की ओर जा रहा था। इस वाहन के आगे चल रही जीप के चालक अजय ने जब गड़गड़ाहट की आवाज सुनी तो उन्हें हादसे का पता चला। उन्होंने घटना की जानकारी नेपाली सिम के जरिये धारचूला में परिचितों को दी। इसके बाद पुलिस, एसएसबी 11वीं वाहिनी, एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची।

मौके पर चलता बचाव कार्य। संवाद

शरीर के टुकड़े नजर आए

करीब 50 मीटर तक विशालकाय चट्टानों के पड़े होने से वाहन और उसमें सवार लोगों का पता नहीं चल सका। देर शाम मलबे में बोलेरो की छत का कुछ हिस्सा और किसी यात्री के शरीर के कुछ टुकड़े नजर आए। बताया जा रहा है कि वाहन में नपलच्यू गांव निवासी वीदन सिंह के तीन बच्चे और बुंदी गांव के सेवानिवृत शिक्षक तुला राम बुदियाल और उनकी पत्नी आशु देवी सहित सात लोग सवार थे। जीप चालक बलुवाकोट गांव का बताया जा रहा है। आशंका जताई जा रही है कि कुछ लोग रास्ते से भी इस वाहन में सवार हुए थे। ऐसे में संख्या बढ़ सकती है।

कालाढूंगी : हरियाणा के यात्रियों की बस 150 मीटर गहरी खाई में गिरी, सात की मौके पर मौत

रामनगर। नैनीताल-कालाढूंगी रोड पर शाम सवा सात बजे जिम कॉर्बेट म्यूजियम तिराहा से करीब 13 किमी पहले हिसार हरियाणा के पर्यटकों की एक बस करीब 150 मीटर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में एक बच्चे, पांच महिलाओं समेत सात की मौत हो गई, जबकि 23 लोग घायल हो गए।

हादसे की सूचना पर एसएसपी प्रह्लाद नारायण मीणा समेत एनडीआरएफ, एसडीआरएफ के जवान मौके पर पहुंच गए। जानकारी के अनुसार हिसार के न्यू मानव इंटरनेशनल स्कूल आर्यनगर हिसार के शिक्षक स्कूल बस में परिवार के साथ नैनीताल घूमने आए थे। बस में 28 लोग सवार थे जबकि दूसरे वाहन में अंग्रेजी के शिक्षक अनिल कुमार समेत चार लोग सवार थे। अनिल ने बताया कि वे दो दिन पहले घूमने आए थे। खबर लिखे जाने तक 19 घायलों को सुशीला तिवारी अस्पताल में लाया गया। अनिल ने बताया कि वने लोग रविवार देर शाम हिसार लौट रहे थे। नलनी घटगढ़ के पास बस अनियंत्रित हो गई और 200 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। संवाद

बस से लोगों को निकालते जवान। संवाद

छिटक कर गिरे कई यात्री

बस में सवार कई यात्री छिटक कर बाहर भी जा गिरे। खाई से लोगों के चिल्लाने की आवाज सुन राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना के बाद पुलिस, दमकल, एसडीआरएफ की टीम ने मौके पर पहुंच घायलों को खाई से बाहर निकाल इलाज के लिए कालाढूंगी में सीएचसी पहुंचाया। एसडीएम परितोष वर्मा ने बताया कि हादसे में सात लोगों की मौत हो गई है। एसएसपी ने बताया कि खाई में घायलों को तलाशने के साथ ही रेस्क्यू अभियान जारी है। वहीं, घटना की सूचना के बाद स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग, एसडीआरएफ समेत पहुंच गए थे।

AMAR UJALA
OCTOBER 9, 2023

4. October 24, 2023 : 6 Adi Kailash pilgrims killed as car falls into river in Uttarakhand

Six people died in Uttarakhand's Pithoragarh district on October 24, 2023 when their car fell into the Kali river near Lakhanpur, police said.

Pithoragarh Superintendent of Police (SP) Lokeshwar Singh said the incident took place on the Dharchula-Lipulekh road late in the evening when the victims were returning after a 'darshan' of Adi Kailash.

Two of them were from Bengaluru, two from Telangana and two from Uttarakhand, he said. According to officials, the accident took place around 2.30 pm but the authorities received an alert about the accident at around 5.30 pm due to lack of communication facility. An official, on condition of anonymity, said there is no mobile tower in the area and authorities depend upon satellite phones for communication.

Six bodies recovered from Kali river: Cops

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

PITHORAGARH/RUDRAPUR: Rescue teams recovered the bodies of all six pilgrims, who met an accident on the Dharchula-Gunji highway in Pithoragarh district on Tuesday, police said on Wednesday.

The deceased were on the way back to Dharchula after Adi Kailash Parvat darshan (glimpse) when their vehicle fell into Kali river after losing control, the officer said.

According to police, the deceased were identified as Sathybrada Paraida (59), Neelala Pnanol (58), Manish Mishra (48), Pragya (52), Himanshu Kumar (24), and Birendra Kumar (39).

Two of the deceased were locals, two from Telangana and two hailed from Bengaluru, they said.

The rescue teams involved the state disaster relief force (SDRF), sahastra seema bal (SSB) and local police. Pithoragarh superintendent of police (SP) Lokeshwar Singh said the bodies will be handed over to the families following medico-legal formalities.

According to officials, the accident took place around 2.30pm but the authorities received an alert about the accident at around 5.30 pm due lack of communication facility. An official, on condition of anonymity said there is no mobile tower in the area and authorities depend upon satellite phones for communication.

"Soon after the SDRF and police teams reached the spot, they launched the rescue operation but low visibility in the evening withheld the rescue operation. The rescue teams relaunched the rescue on Wednesday morning and recovered the bodies," the police said.

This is the second accident on the Dharchula-Gunji route within three weeks.

On October 8, seven people were killed after a heap of rocks fell on their vehicle near Thakti on the Dharchula-Gunji route.

Chief minister Pushkar Singh Dhami expressed his condolences over the road accident and prayed to God for peace to the departed souls and strength to the bereaved family members.

According to Uttarakhand disaster management control room's official data, at least 97 people have lost their lives and 256 sustained injuries in accidents since June 15. Meanwhile, six people are still missing.

Uttarakhand governor lieutenant general (retd) Gurmeet Singh on October 16 said reducing road accidents in the state is a big challenge but public awareness can help bring them down. He was speaking on the occasion of the conclusion of 'World Trauma Week' at All India Institute of Medical Sciences (AIIMS) Rishikesh.

The accident took place on the Dharchula-Gunji highway when a car lost control and fell into the Kali river. HT PHOTO

HINDUSTAN TIMES
OCTOBER 26, 2023

About Social Development for Communities (SDC) Foundation

SDC Foundation is a Dehradun-based environmental action and advocacy group engaged in communication, citizen engagement and capacity building in the Himalayan state of Uttarakhand. The foundation works in partnership with institutions of Government of India, Government of Uttarakhand and other stakeholders such as research & academic institutions, community groups, civil society, media partners, NGOs, businesses & trade bodies, schools & colleges in the state.

Climate and environment conservation, waste management, sustainable urbanisation and a basket of sustainable development issues are key focus areas of the foundation.

Anoop Nautiyal
Founder

Social Development for Communities (SDC) Foundation
Dehradun, Uttarakhand
Email : contactsdcuk@gmail.com and anoop.nautiyal@gmail.com

PS : Errors or omissions in UDAS documentation, if any, are purely unintentional. In case any errors or key omissions are detected or any fresh updates are available for events that are already documented, SDC Foundation may kindly be notified at email id contactsdcuk@gmail.com. We shall make the necessary corrections in subsequent versions of the monthly reports of UDAS.